सत्र 2022–23

Pravreshika Certificate in Performing Art-I Year (P.C.P.A.)
Regular

S.No.	Paper Description	Maximum	Minimum
01.	Practical – I Viva	100	33
02.	Practical – I Demonstration	100	33
	Grand Total	200	66

सत्र 2022–23
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
प्रवेशिका सर्टिफिकेट इन परफॉर्मिंग आर्ट प्रथम वर्ष (P.C.P.A.)
तबला (मौखिक)

पूर्णांक	उत्तीर्णांक
100	33

1. संगीत की परिभाषा एवं ध्वनि, नाद, स्वर की संक्षिप्त परिभाषाएँ।
2. लय, ताल, मात्रा, सम, खाली, भरी विभाग, ठेका, तिहाई, तथा आवर्तन की सोदाहरण परिभाषाएँ।
3. तबला वाद्य की बनावट की जानकारी ।
4. पाठ्यक्रम के तालों को पहचानकर पूर्ण करना :– त्रिताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा।
5. तबले के वर्णो का निकास :– धा, धिं, ना, कत, घे, गे, के, कत्, तिं, तू, ति, ट, या टे।

क्रियात्मक

पूर्णांक	उत्तीर्णांक
100	33

1. हाथ से ताली देकर त्रिताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा के ठेकों की पढ़न्त तथा उनको तबले पर बजाना।
2. पाठ्यक्रम के तालों को हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन में पढन्त तथा तबले पर बजाना।
3. तबले के वर्णो का निकास : धा, धिं, ना, कत, घे, गे, के, कत्, ति, तू, ट, या, टे।
4. त्रिताल में निम्नलिखित दो सरल कायदे तथा एक रेला, न्यनूतम दो–दो पल्टे तथा तिहाई के साथ बजाना तथा हाथ से ताली देकर पढ़ना।
   (अ) धा धा ति ट, धा धा ती ना
   (ब) धा धा तिर किट, धा धा ती ना
   (स) धाऽतिर किटधाऽ तिरकिट धाऽधाऽ तिरकिट धाऽतिर किटधाऽ तिरकिट।
5. पाठ्यक्रम के तालों को तबले पर बजते हुए सुनकर ठेकों को पहचानना। पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल :– त्रिताल, झपताल, कहरवा, रूपक दादरा।
6. एक मात्रा से चार मात्रा तक के मोहरे (प्रत्येक ताल में) बजाकर सम पर मिलना।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल शास्त्र परिचय भाग–1 – डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे